एक गांव ऐसा भी जहां खुले में शौच करने पर बच्चे बजा देते हैं सीटियां

July 13, 2015

राज्य में छिंदवाड़ा जिले के गाडरवाड़ा गांव में अब कोई भी खुले में शौच जाने की हिमाकत नहीं करता है। अगर कोई भूले-भाले चला भी गया तो बाल कमांडो की टीम सीटी बजा-बजाकर कर उसका बैठना मुश्किल कर देती है।

मुहिम जिला प्रदेश सरकार की आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक जिले में स्वच्छता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने की कलेक्टर महेशचंद्र चौधरी ने छेड़ रखी है। इसके चलते जब वह गाडरवाड़ा गांव पहुँचे तो उन्होंने लोगों को अपने घरों में शौचालय बनाने के लिये प्रेरित किया। इसके साथ ही इसके लिये सरकार द्वारा दी जा रही मदद के बारे में भी बताया।

कलेक्टर की इस पहल को गांव वालों का समर्थ मिला और देखते ही देखते घर-घर में शौचालय बन गए। बात यहीं खत्म नहीं हुई, खुले में शौच की परम्परा स्थायी रूप से बंद हो, इसके लिये स्वयं गांववालों ने निगरानी प्रेरक दल और बाल कमांडो की टीम गठित की जो निरंतर खुले में शौच की बुराइयों के बारे में लोगों को बताते हैं। बाल कमांडो की टीम ने तो खुले में शौच करने वालों की आदत को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इससे गांव की पानी की समस्या का भी समाधान हुआ। कलेक्टर ने तत्काल गाँव में नल-जल योजना शुरू कर दी। अब यह गाँव निर्मल गाँव होने का हकदार बन गया है। इससे उसे विकास के लिये भी अधिक सुविधाएँ मिलेंगी। इसे देख आस-पास के गाँव वाले भी स्वयं आगे आए हैं।